# तेरे खुले गए यशोदा मैया भाग रे भजन लिरिक्स

तेरे खुले गए यशोदा मैया भाग रे,

दोहा – पूत सपूत जन्यो यशोदा,
इतनी सुनके वसुधा सब दौड़ी,
देवन के आनंद भयो,
पुनि धावत गावत मंगल गौरी।
नन्द कछु इतनो जो दियो,
घनश्याम कुबेरहु की मति बोरी,
देखत मोहि लुटाय दियो,
ना बची बछिया छछिया ना पिछोरी।

---

तेरे खुले गए यशोदा मैया भाग रे,
ऐसो सुघड़ सूत जायो।bd।

तर्ज – मेरी चुनरी में पड़ गयो।

---

भादो मास कृष्णपक्ष अष्टमी,
भादो मास कृष्णपक्ष अष्टमी,
छाई नन्द भवन उजियार री,
ऐसो सुघड़ सूत जायो।bd।

---

बाबा लुटावे अन्न धन सोना,
बाबा लुटावे अन्न धन सोना,
और गोधन रतन अम्बार री,
ऐसो सुघड़ सूत जायो।bd।

---

विविध भांति के गाजे बाजे,
विविध भांति के गाजे बाजे,
गूंजे पायल की झंकार री,
Bhajan Diary Lyrics,
ऐसो सुघड़ सूत जायो।bd।

---

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com
तेरे खुले गए यशोदा मैया भाग रे,

Singer – Shashi Kant Sharma

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com